MAHD-06

June - Examination 2019

M. A. (Final) Hindi Examination

कथा – साहित्य

Paper - MAHD-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) आंचलिक उपन्यास किसे कहते हैं?

(ii) प्रेमचन्द पूर्व किन्हीं दो उपन्यासकार के नाम लिखिए।

(iii) गोदान उपन्यास का प्रमुख पात्र कौन है? इस उपन्यास का क्या प्रतिपाद्य रहा?

(iv) 'मित्रोमरजानी' उपन्यास की रचयिता कौन है?

(v) 'महाराजा का इलाज' कहानी की संवेदना बताइए।

(vi) 'जिंदगी और जोंक' के प्रमुख पात्र का क्या नाम है? उसके चरित्र की कोई दो विशेषता बताइए।

(vii) 'मेरा दुश्मन' कहानी में पत्नी का चरित्र आकर्षक हैं, क्यों?

(viii) 'सिक्का बदल गया' कहानी के कहानीकार कौन हैं?

खण्ड – ब **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–
शेरा कब बदल गया, उसे कुछ पता नहीं, दुर्बल – सी देह और अकेली, बिना किसी सहारे के न जाने कब तक वहीं पड़ी रही शाहनी। दुपहर आयी और चली गई। हवेली खुली पड़ी है। आज शाहनी उठ नहीं पा रही है। जैसे उसका अधिकार आज स्वयं ही उससे छूट रहा है। शाहजी के घर की मालकीन..... लेकिन नहीं, आज मोह नहीं हट रहा है, मानो पत्थर हो गयी हो। पड़े – पड़े शाम हो गयी, पर उठने की बात, फिर भी नहीं सोच पा रही है।

3) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–
''तो सूअर रोता क्यों है? कुँअर साहब ने दो ही लातें न लगाई हैं। कुछ गोली तो नहीं मार दी? कर्कश स्वर से लल्लू बोल रहा था, किन्तु उत्तर में सिसकियों के साथ एकाध हिचकी ही सुनाई पड़ती थी। अब और कठोरता से लल्लू ने कहा – मधुआ! जा सो रह! नखरा न कर, नहीं तो उठूँगा तो खाल उधेड़ दूँगा।

4) कृष्णा सोबती की औपन्यासिक दृष्टि का उल्लेख करते हुए 'समय सरगम' उपन्यास की कथावस्तु को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

5) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में ऐतिहासिक यथार्थ का उद्‌घाटन हुआ है।'' कैसे? समझाइए।

6) 'पत्नी' कहानी की संवेदना को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

7) 'महाराजा का इलाज' कहानी में वर्गगत श्रेष्ठता का भाव किस प्रकार व्यक्त हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

8) 'पिता' कहानी के पिता का चरित्र चित्रण कीजिए।

9) 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी के प्रमुख पात्र सुबोध की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) 'टूटना' कहानी स्त्री – पुरुष सम्बन्ध में आए बदलाव की कहानी है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

11) 'पिता' कहानी का कहानी के तत्वों के आधार पर विश्लेषण कीजिए।

12) 'अज्ञेय की औपन्यासिक दृष्टि एवम् उनके उपन्यास' विषय पर एक लेख लिखिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।
   (i) 'गोदान' उपन्यास की कथावस्तु।
   (ii) कहानी – विकास के विभिन्न चरण।
   (iii) उपन्यास की परिभाषा एवं स्वरूप।
   (iv) 'समय–सरगम' उपन्यास का प्रतिपाद्य